केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 31 बुधवार 20 अगस्त 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

हर्ष के खेल मंत्रालय में चयन पर प्रसन्नता

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। वृद्धा आश्रम बनकटा के मैनेजर अम्बिकेश्वरमणि त्रिपाठी के पुत्र हर्ष त्रिपाठी का युवा रोजगार एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार में जूनियर असिस्टेन्ट पद पर हुआ है। मूल रूप से संतकबीर नगर जनपद के बघौली विकास खण्ड क्षेत्र के हरदी निवासी हर्ष त्रिपाठी के चयन से प्रसन्नता की लहर है। वे अपनी सफलता का श्रेय परिजनों, गुरूजनों को देते हैं। हर्ष की सफलता पर माता सुधा त्रिपाठी, भाई आदर्श, बहन आकांक्षा, हरिओम, राघव तिवारी, अतुल शुक्ल, गणेश चौधरी, सच्चिदानन्द श्रीवास्तव आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

शिविर में 113 रोगियों का उपचार

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

भानपुर, (बस्ती)। मंगलवार को भानपुर नगर पंचायत क्षेत्र के ग्राम सिसवा बुजुर्ग में भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य नितेश शर्मा एवं नियो मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के संयुक्त सहयोग से निःशुल्क चिकित्सा शिविर एवं दवा वितरण का आयोजन किया गया। निरूशुल्क शिविर में कुल 113 रोगियों की जांच कर दवा वितरित किया गया।

कार्यक्रम के आयोजक भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य नितेश शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है। इस धन को सुरक्षित रखने से जीवन सुरक्षित रहेगा। कहा कि सेवा करने के लिए पद की कोई बाध्यता नहीं होती। यदि नीयत अच्छा है तो हर प्रयास का परिणाम अच्छा आता है।

1187 ग्राम पंचायतों में मतदाता पुनरीक्षण शुरू

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) रवीश गुप्ता ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया है कि त्रिस्तरीय पंचायतों के सामान्य निर्वाचन 2026 हेतु ग्राम पंचायतवार तैयार की जाने वाली निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी किया जा चुका है, जिसके अनुसार ग्राम पंचायत/ केन्द्रवार नियुक्त बी०एल०ओ० द्वारा दिनांक 19 अगस्त से घर–घर जाकर मतदाता सूची के पुनरीक्षण करना शुरू कर चुके हैं।

जनपद की समस्त 1187 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण नागरिकों से अपेक्षा है कि वे अपनी–अपनी ग्राम पंचायतों की निर्वाचक नामावली में उनके परिवार के ऐसे व्यस्क सदस्य, जिनकी आयु दिनांक 01.01.2025 को 18 वर्ष या उससे अधिक हो गयी है का नाम सम्मिलित कराने, अवांछित नामों को विलोपित कराने तथा गलत मुद्रित नामों को संशोधित कराने हेतु बी०एल०ओ० द्वारा गणना कार्य करेंगे।

मिलकर्मी, किसान आन्दोलित

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। गोविंद नगर शुगर मिल में कर्मचारियों और किसानों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया है। 2018 से बंद पड़ी इस मिल को लेकर कर्मचारियों का बकाया वेतन और मिल को पुनः चालू करने की मांग प्रमुख है।

अप्रैल 2023 में प्रशासन ने धरना समाप्त करवाते समय बकाया वेतन भुगतान और मिल संचालन का आश्वासन दिया था। वाल्टरगंज शुगर मिल के किसानों और कर्मचारियों को भी समझौते में शामिल करने की बात कही गई थी। लेकिन प्रबंधन ने अपने वादे से मुकर कर मशीनों को स्क्रैप बताकर बाहर निकालने का प्रयास किया।

पीएम मोदी से मिले चीनी विदेश मंत्री

नई दिल्ली (आभा)। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने मंगलवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दोनों देश 2020 में सीमा पर हिंसक झड़पों के बाद संबंधों में आए तनाव को दूर करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में चीनी विदेश मंत्री की इस यात्रा को संबंधों को पटरी पर लाने के प्रयासों के रूप में देखा जा रहा है। इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस बातचीत का रुख तय करते हुए कहा कि हमारे संबंधों में एक कठिन दौर देखने के बाद... हमारे दोनों देश अब आगे बढ़ना चाहते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारे संबंधों में किसी भी सकारात्मक गति का आधार सीमावर्ती क्षेत्रों में संयुक्त रूप से शांति और सौहार्द बनाए रखने की क्षमता है। यह भी जरूरी है कि तनाव कम करने की प्रक्रिया आगे बढ़े। उन्होंने इस तथ्य की ओर इशारा किया कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की पिछली मुलाकात के दस महीने बाद भी वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैन्य बुनियादी ढाँचे को हटाने और पीछे हटने का काम अधूरा है।

इससे पहले वांग यी की भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर संग बैठक हुई। भारत दौरे पर आए जिनपिंग के मंत्री वांग यी और डॉ. जयशंकर के बीच कई अहम मुद्दों पर बातचीत हुई है।

सचिव का पावर सीज, डीएम से खाद का वितरण कराने की मांग

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। पूर्व जिला पंचायत सदस्य हृदयराम चौधरी ने जिलाधिकारी को पत्र देकर सल्टौआ विकास खण्ड में स्थित सहकारी समिति दसिया से किसानों को यूरिया खाद उपलब्ध कराये जाने की मांग किया है।

हृदयराम चौधरी ने पत्र में कहा है कि सहकारी समिति दसिया के सचिव का दस दिन पहले पॉवर सीज कर दिया गया। तभी से उस समिति का कार्य बन्द है। ए०आर० बस्ती से लगातार बात हो रही थी हर अगले दिन वहीं का संचालन शुरू कराने के लिए किसानों का आश्वासन दे रहे थे। अब कह रहे है कि हमारे पास स्टाप नहीं है। धान की फसल के खाद की आवश्यकता केवल एक सप्ताह के लिए ही है। अगल–बगल की समितियाँ के केवल अपने क्षेत्र के लोगों को आधार कार्ड के आधार पर खाद दे रही है। दसिया समिति के अन्तर्गत लगभग 50 गांव आते है। यहाँ के किसान दर–दर खाद के लिए भटक रहे है और उन्हें खाद (यूरिया) नहीं मिल पा रही है।

उन्होने मांग किया कि तत्काल प्रभाव से सहकारी समिति दसिया का संकट दूर कराया जाय और खाद का वितरण सुनिश्चत कराया जाय।

साधारण सभा की बैठक सम्पन्न: नये अध्यक्ष पर चर्चा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। किसान इण्टर कालेज भानपुर शिक्षा प्रसार समिति की मंत्री एवं प्रबन्धक रोशनी पाण्डेय ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि साधारण सभा की बैठक 17 अगस्त को नियमानुसार उनकी अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

बैठक में, कुछ पुराने सदस्यों को हटाकर नये सदस्यों को शामिल किए जाने तथा अध्यक्ष को हटाकर नये अध्यक्ष बनाए जाने पर चर्चा हुई। रोशनी पाण्डेय ने कहा कि प्रबन्धकीय विद्यालय में प्रबन्धक ही सर्वोच्च है, बैठक बुलाये जाने, योजना तैयार करने का अधिकार प्रबन्धक के अधिकार में निहित है। प्रबन्धक के पास अधिकार है, समय पर बायलाज व व्यवस्था को बदलना, प्रबंधकीय विद्यालय में प्रशासनिक, अधिकारियों का आदेश प्रबन्धक के विचार पर निर्भर करता है, उसे अमल में लाना है या नही प्रबन्धकीय विद्यालय प्रबंधक की व्यवस्थाओं के अनुरूप चलते है, न कि अधिकारियों आदेशनिर्देश पर।

बैठक में मुख्य रूप से सदस्यगण, राजाराम तिवारी, लल्लन सिंह, शिव प्रसाद मिश्रा, दुर्गा प्रसाद पाण्डेय, शत्रुजीत, राजाराम यादव सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

पुण्य तिथि पर रक्तदान, पौधरोपण के साथ याद किये गये पूर्व विधायक राना कृष्ण किंकर सिंह

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती।जिले के कद्दावर नेता रहे पूर्व विधायक राना कृष्ण किंकर सिंह की द्वितीय पुण्य तिथि पर मंगलवार को विविध कार्यक्रम आयोजित हुए। उनके पैतृक गांव रानीपुर बेलाड़ी में रक्तदान शिविर में 85 लोगों ने रक्तदान किया। आगंतुकों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया । श्रीराम चरित मानस के सुन्दर कांड पाठ के भक्तिमय माहौल में स्व० राना साहब के हजारों शुभेच्छुओं ने कार्यक्रम में पहुंच कर नम आंखों से उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। देर शाम बस्ती के वृद्धा आश्रम पर रहने वालों को भोजन प्रसाद कराया गया।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद और असम के भाजपा प्रभारी हरीश द्विवेदी ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए राना साहब को पूर्वांचल की राजनीति का योद्धा बताया। हरैया के विधायक अजय सिंह ने कहा कि राना साहब जिले के इकलौते ऐसे राजनेता थे जिनका अपना खुद का बड़ा जनाधार था। बस्ती सदर विधायक महेन्द्र नाथ यादव ने उन्हें जनपद के विलक्षण राजनीतिज्ञ की संज्ञा दिया। पूर्व आई ए एस ओम नारायन सिंह ने उन्हें गरीबों का मसीहा बताते हुए कहा कि उनकी संयमित जीवन शैली युवाओं के लिए प्रेरणा श्रोत रहेगी। भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद मिश्र, संतकबीर नगर के भाजपा प्रभारी अजय सिंह गौतम, वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल सिंह, पूर्व विधायक रवि सोनकर, विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री नागेन्द्र प्रताप कुंवर जी, भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष दिलीप पांडेय,विश्व हिंदू परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश सिंह, जिलाध्यक्ष गोपेश पाल, पूर्व सपा जिला अध्यक्ष राज कपूर यादव, ब्लॉक प्रमुख यशकांत सिंह, जटाशंकर शुक्ला ,योगेन्द्र सिंह,अभिषेक कुमार, गौर के पूर्व ब्लॉक प्रमुख महेश सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, बनकटी के नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अरविंद पाल, भाजपा नेता दिवाकर मिश्र, जगदीश शुक्ल, कृष्ण कुमार दुबे, कर्मचारी नेता राम आधार पाल, किसान नेता विनोद सिंह, विश्व हिंदू महासंघ के अध्यक्ष अखिलेश सिंह, खादिम हुसैन, शिक्षक नेता अभय सिंह यादव, हिन्दू युवा वाहिनी के जिला महामंत्री विनय सिंह सहित बड़ी संख्या में जिले के अनेक नेताओं और सामाजिक लोगों ने स्व० राना की प्रतिमा पर माल्यापर्ण कर उनके व्यक्तित्व को याद किया। राना कृष्ण किंकर सिंह की बेटी श्रीमती सिम्मी सिंह ने कहा कि पिता जी राज्यदान के लिए आजीवन लोगों की प्रेरित ही नहीं लिए बल्कि स्वयं दर्जनों बार अपना खून देकर लोगों की जान बचाया था इसलिए ये परम्परा हम लोग कायम रखेंगे। उन्होंने कहा कि पिता के साथ जुड़े रहे परिवार हमारे अपने हैं जिनके दुख सुख में हम सभी सदैव भागीदार रहेंगे। उत्तर प्रदेश राज्य पंचायत परिषद के प्रदेश अध्यक्ष राना दिनेश प्रताप सिंह और नगर पंचायत नगर की अध्यक्ष नीलम सिंह राना तथा परिजनों ने आगंतुकों के प्रति आभार जताया।,

जब तोप सामने हो तो कैमरा निकालो
फोटोग्राफी दिवस पर सम्मानित हुये छायाकार

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। फोटोग्राफर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश, जनपद बस्ती के तत्वावधान में विश्व फोटोग्राफी दिवस बड़े ही उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 200 फोटोग्राफर एकत्रित हुए। कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय प्रेस क्लब, सब्जी मंडी, कंपनीबाग परिसर में सम्पन्न हुआ।

मुख्य अतिथि जिला अपर सूचना अधिकारी हितेंद्र कुमार ने फोटोग्राफरों को संबोधित करते हुए कहा कि सूचना के युग में फोटोग्राफी केवल कला नहीं, बल्कि समाज के प्रति एक नैतिक जिम्मेदारी है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. नवीन सिंह ने कहा कि फोटो समाज की आवाज को दस्तावेज की तरह संजोता है। जब तोप सामने हो तो कैमरा निकालते ही बड़े–बड़े बाहुबली डर जाते हैं।

दोनों अतिथियों का स्वागत जिलाध्यक्ष राणा अमीर चन्द्र एवं पदाधिकारियों ने स्मृति चिन्ह एवं सम्मान पत्र प्रदान कर किया।

अपने संबोधन में अतिथियों ने कहा कि फोटोग्राफी केवल कला ही नहीं, बल्कि समाज और इतिहास का आईना है। आज के डिजिटल युग में फोटोग्राफरों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने संगठन की एकता और सहयोग की भावना की सराहना की।

इस अवसर पर जनपद के मान्यता प्राप्त छायाकार धनंजय श्रीवास्तव, राकेश कुमार श्रीवास्तव बिन्नू, हरि ओम प्रकाश, राकेश तिवारी, अनिल कुमार श्रीवास्तव, अरशद महमूद, अनिल पांडेय तथा राष्ट्रीय पत्रकार बृहस्पति कुमार पाण्डेय को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रवीन कुमार ने कुशलतापूर्वक किया। उन्होंने विश्व फोटोग्राफी दिवस के इतिहास और महत्व पर प्रकाश डाला।

जिला अध्यक्ष राणा अमीर चन्द्र ने अपने उद्बोधन में संगठन की उपलब्धियों एवं भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि फोटोग्राफर समाज की आँख हैं और उनकी जिम्मेदारी बेहद अहम है। उन्होंने सभी फोटोग्राफरों को संगठित रहने और नई तकनीकी बदलावों को अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत एक विशेष वर्कशॉप का भी आयोजन किया गया। प्रशिक्षण गोरखपुर से आए एआई फोटोशॉप मेंटर श्री शर्मा ने दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को आधुनिक कैमरा तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल प्लेटफॉर्म और एडिटिंग सॉफ्टवेयर की जानकारी दी। फोटोग्राफरों ने बड़े उत्साह के साथ प्रशिक्षण प्राप्त किया और सवाल–जवाब सत्र में सक्रिय भागीदारी की।

वर्कशॉप में युवाओं को नई तकनीक सीखने का अवसर मिला, वहीं वरिष्ठ फोटोग्राफरों ने अपने अनुभव साझा किए। सभी प्रतिभागियों को आईडी कार्ड एवं प्रमाणपत्र भी वितरित किए गए। अंत में वरिष्ठ फोटोग्राफरों का सम्मान, केक काटकर उत्सव का जश्न और पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम सौहार्द एवं हर्षोल्लास के वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर ओमप्रकाश ठाकुर, लतीफ अहमद, अफरोज अहमद, ओमकार चौधरी, कन्हैया चौधरी, रविंद्र पांडेय, अजय चौरसिया सहित कई फोटोग्राफर मौजूद रहे।

चुनाव आयोग और भाजपा के बीच गुप्त गठजोड़ -राहुल गांधी

पटना (आभा)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच साझेदारी है और दोनों मिलकर वोट की चोरी कर रहे हैं। अपनी ''वोटर अधिकार यात्रा' के तीसरे दिन राहुल ने यह भी कहा कि महागठबंधन बिहार में एक भी वोट की चोरी नहीं होने देगा।

तीसरे दिन की यात्रा गया जी के वजीरगंज से शुरू हुई और नवादा में दाखिल हुई। यात्रा का समापन बरबीघा के श्रीकृष्ण चौक पर सभा के साथ हुआ। उन्होंने नवादा के भगत सिंह चौक पर एक सभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि चुनाव आयोग और भाजपा के बीच साझेदारी है और ये मिलकर वोट चोरी कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा, ''वोट आपका अधिकार है और यह अधिकार संविधान देता है। नरेन्द्र मोदी, अमित शाह और चुनाव आयुक्त मिलकर यह अधिकार छीन रहे हैं।' उन्होंने कहा, ''मैं, तेजस्वी यादव और महागठबंधन के बाकी नेता कहना चाहते हैं कि हम बिहार में एक वोट भी चोरी नहीं करने देंगे।'

उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र, हरियाणा और मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव चोरी किए गए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि अब बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर नए तरीके से वोट की चोरी की जा रही है। उन्होंने कहा, ''हम इन्हें चोरी नहीं करने देंगे।'

कांग्रेस नेता ने दावा किया, ''पहले आपका वोटर कार्ड जाएगा, फिर राशनकार्ड जाएगा और फिर आप लोगों की जमीन अदाणी और अंबानी को दी जाएगी। यह देश अदाणी और अंबानी का नहीं है, यह देश किसानों, मजदूरों और छोटे व्यापारियों का है।

अनोखे विरोध प्रदर्शन से हड़कंप

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। सल्टौआ विकास खण्ड के अमरौली शुमाली ग्राम पंचायत में वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत पर कार्रवाई लंबित रहने के विरोध में सोमवार को एक फरियादी द्वारा अनोखा कदम उठाए जाने की घोषणा के बाद प्रशासन हरकत में आ गया।

शिकायतकर्ता सौरभ वीपी वर्मा ने ऐलान किया था कि यदि जल्द ही जांच पूरी नहीं की गई तो वह जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंचकर अपने सिर के बाल अर्पित करेंगे। इस अनोखी घोषणा की खबर फैलते ही प्रशासनिक गलियारों में हलचल मच गई। लंबे समय से इस मामले की जांच को टालने और भ्रष्टाचार के आरोपों को दबाने की कोशिश की जा रही थी। लेकिन फरियादी के इस विरोध ने अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कर दिया।

जिलाधिकारी कार्यालय से जुड़े अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि मामले की जांच प्रक्रिया को शीघ्र ही अंतिम चरण में लाकर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

नगर पंचायत अध्यक्ष बभनान प्रबल मलानी पर दीवाल तोड़वाने का आरोप

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

—भाजपा नेत्री शैल जायसवाल ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की क्षेत्रीय मंत्री शैल जायसवाल ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर अपने पुश्तैनी आबादी भूमि पर दबंगो द्वारा अवैध रूप से रास्ता निकालने, अतिक्रमण करने, मानसिक उत्पीड़न किये जाने के मामले में जांच कर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

एसपी को दिये पत्र में शैल जायसवाल ने कहा है कि वह वार्ड नम्बर 12 दीनदयाल नगर बभनान की निवासिनी है। वार्ड नम्बर 9 लक्ष्मी नगर में उनकी पुश्तैनी भूमि है । पिछले 80 वर्षो से उनके परिवार का स्वामित्व है। यह भूमि नगर पंचायत बभनान में आबादी के रूप में दर्ज है। वे अपने भूमि की दीवाल बनवा रही थी जिसका आधार पुरानी नींव पर है। 8 अगस्त की दोपहर लगभग 1 बजे नगर पंचायत अध्यक्ष बभनान प्रबल मलानी कुछ अज्ञात 50 गुण्डों के साथ आये और दीवाल तोड़वाकर हाथापाई, मारपीट किया और जान माल की धमकी दिया।

शैल जायसवाल ने भूमि का सीमांकन कराकर उसकी सुरक्षा, झूठी शिकायत और अतिक्रमण करने वालों पर विधिक कार्यवाही करने के साथ ही मानसिक उत्पीड़न रोकने, संरक्षण दिये जाने की मांग किया है।

होम्योपैथी में योगदान के लिये पुणे में सम्मानित हुये डा. वी.के. वर्मा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। होम्योपैथ के वरिष्ठ चिकित्सक जिला अस्पताल में आयुष चिकित्साधिकारी डा. वी.के. वर्मा को मुम्बई के पुणे में आयोजित दो दिवसीय होम्योपैथी के राष्ट्रीय सम्मेलन में योगदान के लिये सम्मानित किया गया। डा. वी.के. वर्मा ने सम्मेलन में सुगर और हार्ट की बीमारी में होम्योपैथी की सफलता पर प्रकाश डाला।

रिसर्च सोसायटी ऑफ होम्योपैथी और एस.एच.एच.एस. फाउन्डेशन पुणे द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में देश भर से आये होम्योपैथ चिकित्सकों ने होम्योपैथ की विभिन्न रोगों में भूमिका पर प्रकाश डाला और गंभीर मन्थन के साथ ही अनेक शोध पत्र प्रस्तुत किये गये।

डा. वी.के. वर्मा के साथ सम्मेलन में बस्ती से डा. शैलेन्द्र तिवारी, डा. कमल वर्मा, राजेश्वरी वर्मा ने हिस्सा लिया। डा. वर्मा को सम्मानित किये जाने पर मुख्य रूप से मुख्य चिकित्साधिकारी डा. राजीव निगम, डा. एस.वी. सिंह, डा. ए.के. गुप्ता, डा. ए.के. कुशवाहा, प्रमुख अधीक्षक डा. रिजवान खान, डा. ए.के. चौधरी, डा. वी.के. सोनकर, डा. जी.एम. शुक्ला, डा. नरेश अग्रवाल, डा. महेश प्रसाद, डा. रामजी सोनी, डा. सतीश चौधरी, डा. जुनेद अहमद, डा. राजेश पटेल, डा. आर.एन. चौधरी, डा. मनोज मिश्र, डा. प्रदीप शुक्ल आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

हिन्दुओं के उत्पीड़न, गोकशी समेत 9 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

-दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई न हुई तो आन्दोलन करेगा विश्व हिन्दू महासंघ- अखिलेश सिंह

बस्ती । मंगलवार को विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के नेतृत्व में महासंघ पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने गो हत्या, हिन्दुओं के उत्पीड़न, खुले में बिना लाइसेंस के मांस बिक्री आदि के सवालों को लेकर जिलाधिकारी को सम्बोधित 9 सूत्रीय ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि स्थानीय पुलिस हिन्दू उत्पीड़न के मामलों में दोषियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही कर पीड़ितों को न्याय दिलाये।

9 सूत्रीय ज्ञापन में कहा गया है कि जिले के सोनहा थाना क्षेत्र में अनेक दूकानदार बिना लाइसेंस के खुले में मांस की बिक्री कर रहे हैं इस पर रोक लगाया जाय। गत 16 अगस्त को असनहरा में अपने बहन से छेडखानी की शिकायत करने के मामले में दोषियों पर कार्यवाही हो। बुल्डोजर चलवाकर अवैध निर्मित मकान को ध्वस्त कराया जाय। सोनहा थाना क्षेत्र के धौरहरा में दलित नाबालिग बालिका के साथ मुस्लिम युवक द्वारा बलात्कार मामले में कड़ी कार्यवाही की मांग किया गया है। इसी कड़ी में नगर थाना क्षेत्र में गोकसी मामले का खुलासा किये जाने, स्कूल खुलने, बंद होने के समय कुछ मुस्लिम युवकों द्वारा हिन्दू बेटियों के साथ छेड़खानी पर रोक लगाने की मांग किया गया है।

ज्ञापन सौपने के बाद विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने चेतावनी दिया कि यदि मांगे न मानी गई तो महासंघ आन्दोलन को बाध्य होगा। ज्ञापन सौंपने वालों में अर्पण श्रीवास्तव बालकृष्ण सिंह जिला उपाध्यक्ष, रूपनारायण गौड़ कुलदीप मिश्रा, अभय चौधरी ,जयप्रकाश यादव, जोगेंद्र यादव,उपेंद्र प्रताप सिंह, श्याम सुंदर, दुर्गेश कनौजिया, मिथुन निषाद, रवि चौधरी, सतीश सोनकर, सुरेश प्रजापति के साथ ही महासंघ के अनेक पदाधिकारी शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 20 अगस्त 2025 बुधवार

सम्पादकीय

दम तोड़ती शब्दों की मर्यादा

विचारों की अभिव्यक्ति में भी एक मर्यादा होनी ही चाहिये। बात जब जनप्रतिनिधियों की हो तो संवेदनशीलता और भी गहरी हो जाती है। जनप्रतिनिधि समाज का नेतृत्व करते हैं, इसलिए उनसे सुव्यवहार, शिष्टाचार और संयमित आचरण की उम्मीद की जाती है। उनके भाषणों को भी इन तत्वों के समावेश के नजरिए से देखा जाता है। भारतीय लोकतंत्र में हर किसी को अपने विचार व्यक्त करने की आजादी है, लेकिन जब सरकार में मंत्री पद पर आसीन जनप्रतिनिधि अपने वक्तव्य में देश की आजादी पर ही सवाल खड़े करे, तो उसे क्या कहा जाएगा।

मध्य प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के उस बयान से एक नया विवाद खड़ा हो गया है कि 15 अगस्त 1947 को देश को मिली आजादी 'कटी–फटी' थी। सवाल है कि लंबे संघर्षों और तमाम कुर्बानियों के बाद हासिल आजादी पर इस तरह की आपत्तिजनक टिप्पणी करके वे क्या दर्शाना चाहते हैं? एक जिम्मेदार पद पर बैठे किसी जनप्रतिनिधि को क्या ऐसी टिप्पणी शोभा देती है? मर्यादा के विषय पर बड़े–बड़े भाषण देने वाले मंत्री ही अगर इस शब्द का सही अर्थ नहीं समझ पाएं, तो आम नागरिक से क्या उम्मीद की जा सकती है?

कैलाश विजयवर्गीय का इस तरह का यह कोई पहला बयान नहीं है। इससे पहले भी उनकी कई टिप्पणियों पर विवाद हो चुका है। दरअसल, विजयवर्गीय अखंड भारत की बात कर रहे थे, लेकिन उन्होंने जिस तरह से इसे देश की आजादी से जोड़ा, उस पर सवाल खड़े होना स्वाभाविक है। वैसे विवादित बयान देने वाले नेताओं की फेहरिस्त काफी लंबी है। कुछ नेता अपनी टिप्पणियों पर विवाद बढ़ने के बाद खेद जाहिर करते हैं, तो कुछ यह कहकर इतिश्री कर लते हैं कि उनके बयान को तोड़–मरोड़ कर पेश किया गया।

ऐसा लगता है कि नेताओं ने विवादित और अमर्यादित बयानों की एक शृंखला शुरू कर रखी है, जो बदस्तूर जारी है। मगर, जनप्रतिनिधि, खासकर सरकार में मंत्री इस बात को क्यों भूल जाते हैं कि वे देश और राज्य की नीति निर्माण व्यवस्था का हिस्सा हैं। अगर उनका दृष्टिकोण इस तरह का होगा, तो जाहिर है कि व्यवस्था पर भी इसका असर पड़ेगा। ऐसे में आमजन की भी यह जिम्मेदारी बनती है कि वे अपना प्रतिनिधि चुनने से पहले उन्हें हर कसौटी पर जरूर परख लें।

जानलेवा होता मौसम

मौसम की अपनी गति होती है और सामान्य स्थितियों में वह पारिस्थितिकी चक्र को बनाए रखने का एक जरूरी हिस्सा होती है। मगर पिछले कुछ समय से इसके स्वरूप में तेजी से बदलाव दर्ज किया जा रहा है और खासतौर पर बारिश की वजह से होने वाली तबाही की तस्वीर ज्यादा बिगड़ती जा रही है। यों हर वर्ष मानसून के पूरे मौसम में बारिश की वजह से देश के ज्यादातर हिस्से कम या ज्यादा प्रभावित होते हैं, लेकिन कई बार ऐसा लगता है कि बरसात अब बेलगाम हो रही है और तबाही का सिलसिला–सा बनता जा रहा है।

पिछले दिनों उत्तराखंड के धराली और हर्षिल में, फिर जम्मू–कश्मीर के किश्तवाड़ में बादल फटने और उससे हुई जानमाल की भारी तबाही की जैसी घटनाएं हुई, उन्होंने देश के बाकी हिस्सों के लोगों को भी दहला दिया। अब कश्मीर के कठुआ में भी बादल फटने और भूस्खलन की घटना में सात लोगों की जान चली गई। दूसरी ओर, मुंबई में लगातार तीन दिन की बारिश के बाद हालत यह हो गई, मानो शहर में बाढ़ आ गई हो। वहां कई इलाकों में जलभराव की वजह से जनजीवन पूरी तरह बाधित हो गया, कई जिलों में चेतावनी जारी कर दी गई है। वहीं मराठवाड़ा क्षेत्र में बादल फटने की घटना में नांदेड़ के पांच लोगों के लापता होने की खबर आई।

इसी तरह, हिमाचल प्रदेश के मंडी सहित कई इलाकों में जिस तरह लगातार बार–बार बादल फटने की घटनाएं सामने आ रही हैं, उससे समूची स्थानीय आबादी के सामने किसी तरह खुद को बचाने की चुनौती खड़ी हो रही है। यह समझना मुश्किल हो रहा है कि कम या ज्यादा बरसात वाले जिस मानसून को देश की खेती–किसानी के लिए एक जरूरत के तौर पर देखा जाता था, अब वह कई राज्यों में व्यापक तबाही का कारण क्यों बन रहा है। कई इलाकों में अब बारिश के समांतर बादल फटने की घटना में भी इतनी तेजी से बढ़ोतरी क्यों देखी जा रही है?

प्राकृतिक आपदाओं को शायद रोका नहीं जा सकता है, लेकिन उससे बचाव के उचित इंतजाम किए जाएं, तो तबाही से जानमाल के नुकसान को कम जरूर किया जा सकता है। विडंबना यह है कि पहाड़ी इलाकों में नदियों के किनारे आबादी बस जाती है, पर्यटन के लिहाज से बड़े होटल बना लिए जाते हैं, लेकिन इस बात का खयाल रखना जरूरी नहीं समझा जाता कि अगर कभी मौसम की वजह से नदी का रुख बिगड़ा तो उससे बचना कैसे मुमकिन होगा। जरूरत इस बात की है कि प्रकृति और मौसम के चक्र को लेकर एक गंभीर समझ बनाई जाए और उसी अनुकूल जीवनशैली को विकसित किया जाए।

जब ट्रंप के पूर्ववर्ती जार्ज बुश से भिड़ गए थे राजीव गांधी

—अभिनव आकाश—

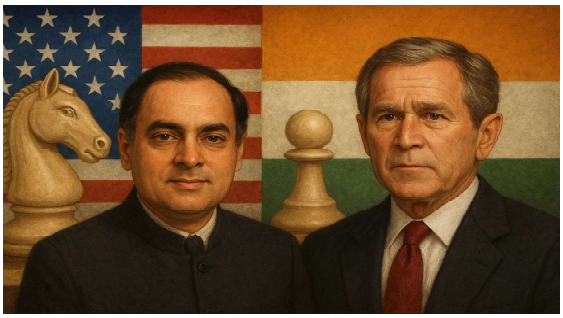

भारत–पाकिस्तान, इजरायल–फिलिस्तीन, थाइलैंड–कंबोडिया इस फेहरिस्त में और भी कई नाम हो सकते हैं जिसे रुकवाने का क्रेडिट लेने के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बेचैन नजर आते हैं। लेकिन इनसे रूस और यूक्रेन का वॉर नहीं खत्म हो पा रहा है। पुतिन अमेरिकी शहर अलास्का में राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने के लिए पहुंचे थे। वही पुतिन जिनके यूक्रेन पर हमले की वजह से उन्हें इतना गुस्सा आया हुआ है कि झल्लाहट में भारत पर 50 : का टैरिफ लगा दिया है। पुतिन ने ट्रंप के घर पर आकर मीटिंग भी कर ली। लेकिन मीटिंग के नाम पर बोले तो आपको पंचायत फिल्म का मीटिंग–मीटिंग वाला डॉयलाग याद आ जाएगा। हालांकि ढाई घंटे लंबी चली मीटिंग जिसमें कोई भी मीडिया मौजूद नहीं था। उसको अमेरिका और रूस ने काफी प्रोडक्टिव बताया। लेकिन यूक्रेन युद्ध विराम पर दोनों में कोई सहमति नहीं बन पाई। यानी ट्रंप जिस चीज के लिए मीटिंग कर रहे थे वहीं नहीं हुआ तो फिर ये मीटिंग प्रोडक्टिव कैसे हुई? अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के लिए भारत पर भारी टैरिफ थोप दिए, लेकिन चीन को ऐसी किसी कार्रवाई से बख्श दिया। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने खुले तौर पर माना कि चीन पर पाबंदी लगाने से वैश्विक तेल बाजार में उथल–पुथल मच सकती है। दूसरी तरफ, भारत को 50 फीसदी टैरिफ की मार झेलनी पड़ रही है। आपको बता दें कि ऐसा पहली दफा नहीं है कि जब भारत पर अमेरिका का डबल स्टैंडर्ड देखने को मिला है। 90 के दशक में भी ऐसी ही परिस्थिति से भारत दो–चार हो चुका है, तब देश की कमान राजीव गांधी के हाथों में थी और अमेरिका में तब जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश का शासन था।

आज से 36 साल पहले 1989 में वाशिंगटन ने टैरिफ की धमकी देकर भारतीय अर्थव्यवस्था को झकझोरने की कोशिश की, जिसके कारण दोनों देशों के बीच 12 महीने तक तीखा गतिरोध चला। आखिरकार अमेरिका पीछे हट गया, लेकिन इस विवाद ने द्विपक्षीय संबंधों पर गहरा असर डाला। सुपर 301 प्रकरण पर एक नजर डालने से हमें आज की गतिशीलता को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिल सकती है। 1980 के दशक के उत्तरार्ध में अमेरिका उस समय अपने प्रमुख आर्थिक प्रतिद्वंद्वी जापान के साथ ट्रेड वॉर में उलझा हुआ था। वाशिंगटन ने इस युद्ध के लिए कूटनीतिक और आर्थिक हथियारों का एक भंडार विकसित किया, जिसमें सुपर 301 भी शामिल था, जो 1988 में उन्नत एक कानूनी तंत्र था। इसने अमेरिकी राष्ट्रपति को अनुचित व्यापार प्रथाओं वाले देशों की पहचान करने और उन्हें प्रतिशोधात्मक शुल्क लगाकर दंडित करने का अधिकार दिया। एक बार जब यह कानून लागू हो गया, तो राष्ट्रपति जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश ने इसे जापान तक सीमित नहीं रखा। उनके प्रशासन ने अमेरिका के बढ़ते व्यापार घाटे को कम करने के लिए सुपर 301 के खतरे का इस्तेमाल करके यूरोप, दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसे अमेरिकी सहयोगियों सहित कई देशों पर दबाव डाला।

वर्तमान प्रशासन के साथ इसकी समानताएँ स्पष्ट हैं। अपने पहले कार्यकाल में ट्रम्प ने चीन से लड़ने के लिए टैरिफ का इस्तेमाल किया था अब वे इसका इस्तेमाल दोस्तों और दुश्मनों, दोनों पर समान रूप से करते हैं। एक बार जब वाशिंगटन किसी देश पर दबाव बनाने के लिए कोई नीतिगत उपकरण विकसित कर लेता है, तो उस उपकरण का अंधाधुंध और कभी–कभी बिना सोचे–समझे इस्तेमाल करना बहुत ही लुभावना हो जाता है। यह अमेरिकी आधिपत्य का एक महत्वपूर्ण पहलू है, चाहे व्हाइट हाउस में कोई भी बैठे। खोलने के लिए वाशिंगटन के साथ जल्दबाजी में समझौते करके या स्वेच्छा से अपने निर्यात को प्रतिबंधित करके सुपर 301 से बचने की कोशिश की। जून 1989 में बुश प्रशासन ने घोषणा की कि वह तीन देशों – जापान, ब्राजील और भारत को लक्षित करेगा।

नई दिल्ली पूरी तरह से हैरान रह गई। पिछले कुछ वर्षों में वाशिंगटन के साथ उसके संबंध बेहतर हो रहे थे। अमेरिका के साथ उसका व्यापार अधिशेष अपेक्षाकृत नगण्य था। वाशिंगटन की दो मुख्य माँगें, कि भारत अमेरिकी निवेश और विदेशी बीमा कंपनियों को अनुमति दे, मनमानी लग रही थीं। जापान और ब्राजील के विपरीत, भारत ने अमेरिका के साथ बातचीत तक करने से इनकार कर दिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा था कि वह अमेरिका को देश चलाने का तरीका तय नहीं करने देंगे। अमेरिकी सख्ती ने संसद में तीखा आक्रोश पैदा किया, जिससे सरकार के हाथ राजनीतिक रूप से और भी ज़्यादा बंध गए। साथ ही, टैरिफ की अमेरिकी धमकी ने भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर दिए। उस समय भारत के निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी लगभग पाँचवाँ हिस्सा थी, जो आज भी उतनी ही है। 1989 में भारत आज की तुलना में विदेशी व्यापार पर बहुत कम निर्भर था, लेकिन यह एक बहुत छोटी और ज़्यादा कमजोर अर्थव्यवस्था भी थी। भारत विश्व जनमत को अपने पक्ष में करने में विफल रहा।

पश्चिमी देश, यहाँ तक कि जापान भी, वाशिंगटन से सहमत थे कि भारत विदेशी निवेश पर बहुत ज़्यादा प्रतिबंध लगाता है। आज, अमेरिकी टैरिफ हमले के खच्चिाप अंतरराष्ट्रीय एकजुटता की तलाश कर रहे भारतीय राजनयिकों को भी ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। कई देश ट्रम्प की नासमझी भरी रणनीति की निंदा कर सकते हैं, साथ ही भारत के संरक्षणवाद को कम करने और रूसी तेल से दूर करने के उनके लक्ष्यों का समर्थन भी कर सकते हैं। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा कि वह अमेरिका को वो तय नहीं करने देंगे कि देश कैसे चलाया जाए। अमेरिकी सख्ती ने संसद में तीव्र आक्रोश पैदा किया, जिसने सरकार के हाथ राजनीतिक रूप से और भी बांध दिए।

दिसंबर 1989 में निर्वाचित प्रधानमंत्री वीपी सिंह ने वाशिंगटन को मनाने की कोशिश की। हालाँकि भारत सुपर 301 के तहत दो माँगों पर बातचीत से इनकार करता रहा, लेकिन उसने अन्य आर्थिक मोर्चों पर रियायतें देने की पेशकश की। अमेरिकी भारत की पेशकश से संतुष्ट नहीं थे। अप्रैल 1990 में जापान और ब्राजील को सुपर 301 सूची से हटा दिया गया, जिससे भारत एकमात्र लक्ष्य बन गया। वाशिंगटन ने नई दिल्ली को दो महीने का अल्टीमेटम दिया। अमेरिकी धौंस की भारतीय मीडिया और राजनेताओं ने कड़ी निंदा की। अंततः, टकराव कभी नहीं हुआ। अल्टीमेटम की समय–सीमा समाप्त होने पर, बुश प्रशासन ने तय किया कि अपनी धमकियों पर अमल करना उचित नहीं है। उसने घोषणा की कि भारत एक अनुचित व्यापारी तो है, लेकिन जवाबी कार्रवाई करना अमेरिका के हित में नहीं है। भारत के खिलाफ सुपर 301 प्रक्रिया बंद कर दी गई।

बुश प्रशासन बिना किसी खास नुकसान के पीछे हट गया क्योंकि वाशिंगटन का व्यापार अभियान वैश्विक था और भारत उसका एक छोटा सा हिस्सा मात्र था। आज भी यही सच है। हालाँकि टैरिफ नई दिल्ली के लिए एक बड़ा मुद्दा है, लेकिन यह उन दर्जनों लड़ाइयों में से एक मात्र है जो ट्रम्प कई मोर्चों पर लड़ रहे हैं। कुछ आर्थिक और भू–राजनीतिक हितों के समन्वय से भारत–अमेरिका संबंध तेजी से पटरी पर लौटे। हालाँकि, सुपर 301 प्रकरण ने भारतीयों के मुँह में कड़वाहट छोड़ दी। यह एक और याद दिलाता है कि अमेरिकी शक्ति अप्रत्याशित रूप से मनमौजी और दबंग हो सकती है। पिछले कुछ वर्षों में कई टिप्पणीकारों ने इस बात पर हैरानी जताई है कि बीजिंग के साथ लगातार टकराव के बावजूद नई दिल्ली वाशिंगटन के करीब जाने से क्यों कतराती है। उसकी यह चुप्पी आंशिक रूप से उसके इस डर से उपजी है कि अमेरिका पर बढ़ती निर्भरता उसे वाशिंगटन की अस्थिर मनमानी के प्रति और अधिक संवेदनशील बना देगी, जो समय–समय पर प्रकट होती रहती है। ट्रम्प के टैरिफ हमले ने एक बार फिर भारत की सावधानी के पीछे छिपी समझदारी की पुष्टि की है।

आरक्षण में क्रीमी लेयर और राजनीतिक दल

— योगेन्द्र योगी—

देश में आरक्षण एक ऐसा मुद्दा है, जिसे हर राजनीतिक दल लपकने को तैयार रहता है। राजनीतिक दलों को लगता है कि बहुआयामी विकास के मुद्दे के बजाए आरक्षण की पैरवी करके सत्ता पाना ज्यादा आसान है। इसके लिए नेता किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार रहते हैं। यहां तक कि अदालतों के निर्णयों को भी चुनौती देने में पीछे नहीं रहते। नेताओं की दिलचस्पी आरक्षण को बढ़ाने में रहती है। आरक्षण की जरूरत है या नहीं, इस पर चर्चा तक करने से कतराते हैं। अन्य पिछड़ा वर्ग की आय सीमा से संबंधित को संसदीय समिति की आठवीं रिपोर्ट में आय सीमा को बढ़ाने की सिफारिश की है। समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि आय सीमा को 6.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये प्रति वर्ष करने संबंधी संशोधन 2017 में किया गया था। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के नियमों के अनुसार, इस सीमा की समीक्षा हर तीन साल पर या जरूरत पड़ने पर उससे पहले भी की जानी चाहिए। भाजपा सांसद गणेश सिंह की अध्यक्षता वाली स्थायी समिति ने कहा कि वर्तमान सीमा कम है, जिसके दायरे में ओबीसी का केवल एक छोटा सा हिस्सा आता है। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति और निम्न आय वर्ग की बढ़ती आय के कारण इसमें वृद्धि करना समय की मांग है।

संभव है कि संसद में इस समिति की सिफारिश मानते हुए आय सीमा बढ़ा दी जाए। इस पर शायद ही कोई राजनीतिक दल ऐतराज करे। राजनीतिक दलों में इतना साहस ही नहीं है कि आरक्षण की सीमा तय करने और उसके प्रभावों पर किसी तरह की चर्चा करें। इसके विपरीत आरक्षण का दायरा बढ़ाने के लिए राजनीतिक दलों में प्रतिस्पर्धा रहती है। यही वजह है कि जब–जब आरक्षण में क्रीमी की पहचान कर अलग करने की बात की जाती है, तब राजनीतिक दलों को काट मार जाता है। क्रीमी लेयर के मुद्दे पर चर्चा से सभी राजनीतिक दल भयभीत रहते हैं कि कहीं उनका वोट खिसक नहीं जाए। आरक्षित वर्ग के हित में होने के बावजूद कोई भी राजनीतिक दल क्रीमी लेयर को आरक्षण के दायरे से बाहर करना तो दूर, बल्कि इस पर सार्वजनिक तौर पर बहस तक करने को तैयार नहीं है। जबकि यदि क्रीमी लेयर की पहचान कर उसे आरक्षण से बाहर कर दिया जाए तो आरक्षण से वंचित उसी वर्ग के लोगों को इसका फायदा मिल सकेगा।

संसदीय समिति की जो रिपोर्ट संसद में रखी गई है, उसमें अन्य पिछड़ा वर्ग की आय सीमा बढ़ाने की सिफारिश तो गई है किन्तु क्रीमी लेयर का जिक्र तक नहीं किया गया है। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के पुनर्विचार निर्णय में सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त 2024 में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया, जिसमें राज्यों को आरक्षण के संबंध में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) जैसे आरक्षित श्रेणी समूहों को उप–वर्गीकृत करने का अधिकार दिया गया। साथ ही कोर्ट ने कहा कि एससी–एसटी क्रीमीलेयर को लेकर रिजर्वेशन में कैटेगरी बनाई जा सकती है। सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय में कहा गया कि क्रीमी लेयर सिद्धांत, जो पहले केवल अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) पर लागू होता था (जैसा कि इंद्रा साहनी मामले में उजागर किया गया था) अब एससी और एसटी पर भी लागू होना चाहिए। इसका मतलब है कि राज्यों को एससी और एसटी के भीतर क्रीमी लेयर की पहचान करनी चाहिए। उसे आरक्षण के लाभ से बाहर करना चाहिए। अदालत ने कहा कि आरक्षण केवल पहली पीढ़ी तक ही सीमित होना चाहिए। यदि परिवार में किसी पीढ़ी ने आरक्षण का लाभ ले लिया है और उच्च दर्जा प्राप्त कर लिया है, तो आरक्षण का लाभ तार्किक रूप से दूसरी पीढ़ी को उपलब्ध नहीं होगा। इस निर्णय में विभिन्न राज्यों के कानूनों को बरकरार रखा गया, जिन्हें पहले रद्द कर दिया गया था, जैसे कि पंजाब और तमिलनाडु के कानून, जो राज्यों को एससी और एसटी समूहों के भीतर उप–श्रेणियां बनाने की अनुमति देते हैं। अर्थात राज्य मौजूदा आरक्षण के दायरे में ही अति पिछड़ों की पहचान कर उसे अलग से आरक्षण दे सकते हैं। इस पर भी ज्यादातर राज्य खामोश हैं। उन्हें लगता है इससे जिस वर्ग का आरक्षण कम हुआ है, वह नाराज नहीं हो जाएगा और वोट नहीं देगा। ऐसा करने से कहीं उस वर्ग का वोट बैंक हाथ से नहीं खिसक जाए, यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को एक साल होने के बाद भी ज्यादातर राज्यों ने आरक्षित दायरे में अति पिछड़ों की पहचान कर उन्हें अलग से आरक्षण देने की कवायद तक नहीं की।

क्रीमी लेयर को आरक्षण के दायरे से बाहर करने के सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय पर देश के किसी भी राजनीतिक दल और सरकारों ने चर्चा तक नहीं की। जबकि कोर्ट का साफ कहना था कि क्रीमी लेयर को हटाने से उसी वर्ग के वंचित लोगों को आरक्षण का फायदा मिल सकेगा। राजनीतिक दलों ने पहले कभी ओबीसी के क्रीमी लेयर का जिक्र तक नहीं किया, सुप्रीम कोर्ट ने इसमें एससी–एसटी को भी शामिल कर लिया। यह मुद्दा नेताओं के लिए अत्यधिक ज्वलनशील हो गया। क्रीमी लेयर को हटाना तो दूर रहा कोई इसके दायरे पर बहस तक करने को तैयार नहीं है। इसके विपरीत राजनीतिक दल आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा को हटाने पर तत्पर हैं।

नेताओं को लगता है कि आरक्षण की सीमा में नए वर्गों को शामिल करने से उनका वोट बैंक मजबूत होगा। यह अलग बात है कि आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा को हटाने के उनके मंसूबों को सुप्रीम कोर्ट ने सफल नहीं होने दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने 30 अप्रैल को यह घोषणा की थी कि आगामी जनगणना के साथ–साथ जाति गणना भी की जाएगी। इसके तुरंत बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत में कोटा पर 50 प्रतिशत की सीमा को हटाने की अपनी मांग दोहराई। राहुल गांधी ने कहा, परिजर्वेशन पर 50 प्रतिशत की सीमा हमारे देश की प्रगति और पिछड़ी जातियों, दलितों और आदिवासियों की प्रगति में बाधा बन रही है और हम चाहते हैं कि इस बाधा को समाप्त किया जाए।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने भी 50 प्रतिशत कोटा सीमा का हवाला देते हुए आरक्षण के प्रयासों को खारिज कर चुका है। आरक्षण का दायरा बढ़ाने की पैरवी करने वाले राहुल गांधी ने एक बार भी क्रीमी लेयर को हटाने की बात नहीं कही। कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों को लगता है कि आरक्षण का दायरा बढ़ा कर वोट बैंक बढ़ाना ज्यादा आसान है। इसके विपरीत देश में विकास, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर चुनाव जीतना आसान नहीं है। यही वजह है राजनीतिक दल आरक्षण का कई पीढ़ियों से लगातार फायदा ले चुके वर्ग को भी आरक्षण के दायरे से बाहर करने से कतराते रहे हैं। बेशक इससे दूसरे आरक्षित वर्ग का हिस्सा हड़पा जाता रहे।—(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

परिषदीय विद्यालय, कर्तव्य और अधिकार

—अखिल कुमार यादव—

परिषदीय विद्यालयों के युग्मन (क्लबिंग) की प्रक्रिया उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बुनियादी शिक्षा को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई थी। इस नीति का मूल लक्ष्य संसाधनों का एकत्रीकरण कर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना है। परंतु, इस प्रक्रिया में जिस तरह ग्राम पंचायतों और विद्यालय प्रबंधन समितियों (एसएमसी) की उपेक्षा की जा रही है, वह लोकतांत्रिक सहभागिता की भावना के विरुद्ध है और शिक्षा के विकेन्द्रीकृत स्वरूप पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। ग्राम पंचायतें और एसएमसी शिक्षा व्यवस्था की नींव मानी जाती हैं। इन संस्थाओं का गठन इसी उद्देश्य से हुआ है कि स्थानीय स्तर पर निर्णय लिए जाएं और स्कूलों के संचालन में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित हो। परिषदीय विद्यालयों के युग्मन की प्रक्रिया में इनकी राय लिए बिना निर्णय थोपना न केवल अनुचित है, बल्कि इससे समुदाय का विश्वास भी डगमगाता है। शायद सरकारें जनता द्वारा चुने गए पंचायत प्रतिनिधियों और विद्यालय प्रबंध समितियों के सदस्यों को कमतर आंकती हैं, इसलिए उनके सुझावों को लेने की आवश्यकता ही नहीं समझी जाती। यह सोच न केवल अलोकतांत्रिक है, बल्कि इससे जमीनी वास्तविकताओं को अनदेखा कर फैसले लिए जा रहे हैं। जबकि यही प्रतिनिधि क्षेत्र की भौगोलिक, सामाजिक और शैक्षिक परिस्थितियों से सबसे बेहतर तरीके से अवगत होते हैं। शैक्षिक सुधारों का उद्देश्य केवल प्रशासनिक दक्षता नहीं होना चाहिए, बल्कि इसका सबसे बड़ा आधार सामाजिक समावेशन होना चाहिए। यदि कोई योजना स्थानीय जरूरतों और सामाजिक संवेदनशीलताओं को दरकिनार कर दी जाए, तो वह सुधार के बजाय अव्यवस्था को जन्म देती है। युग्मन के बाद कई विद्यालयों में नामांकन घटा है, कुछ विद्यालयों में छात्रों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक हो गई है, जिससे शिक्षकों पर बोझ बढ़ गया है। यह सब तब हो रहा है जब निर्णय प्रक्रिया में स्थानीय निकायों को पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया। यह प्रवृत्ति न केवल विकेन्द्रीकरण की भावना को कमजोर करती है, बल्कि जमीनी स्तर पर शिक्षा की पहुँच को भी बाधित करती है।यदि सरकार वास्तव में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाना चाहती है, तो युग्मन की प्रक्रिया को पारदर्शी, लोकतांत्रिक और सहभागी बनाना अनिवार्य है। ग्राम पंचायतों, एसएमसी, शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों से संवाद कर योजनाएं बनानी होंगी। हर गांव की भौगोलिक और सामाजिक संरचना अलग होती है। इसलिए एकरूपी समाधान थोपना व्यवहारिक नहीं है। शिक्षा केवल नीतियों से नहीं, सहभागिता और संवेदनशीलता से सशक्त होती है। यदि हम यह भूल जाएंगे, तो युग्मन जैसे कदम केवल आंकड़ों की बाजीगरी बनकर रह जाएंगे, न कि शिक्षा का सशक्त माध्यम।

बदमाश ने युवक को सरेराह दौड़ाकर मारी गोली, पुलिस मूक बनकर देखती रही

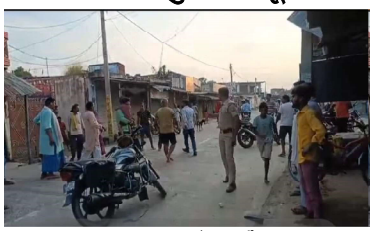

संवाददाता—कुशीनगर। दो यादव परिवारों में चली आ रही पुरानी रंजिश में एक ने दूसरे पक्ष के युवक को पुलिस की मौजूदगी में दौड़ा कर गोली मार दी। पेट में गोली लगते ही युवक गिर पड़ा। दूसरी ओर गोली फायर होते ही मौके पर मौजूद दारोगा वहां से भाग चले।

मंगलवार की सुबह लगभग पांच बजे हुई इस घटना के बाद पडरौना कोतवाली के खिरकिया बाजार में सनसनी फैल गई। आसपास गांवों के लोग भी जुट गए। पुलिस आरोपित व उसके छोटे भाई, पुत्र को हिरासत में ले ली। पीड़ित की मां की तहरीर पर दो नामजद व तीन अज्ञात के विरुद्ध हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया गया है।

पडरौना के खिरकिया बाजार के 22 वर्षीय राहुल यादव व 21 वर्षीय विकास यादव का घर आसपास है। दोनों के परिवारों के बीच काफी समय से रंजिश चली आ रही। राहुल व विकास अपने मित्रों के साथ सोमवार की रात पडरौना डोल मेला देखने गए थे।

यहां अंबे चौक पर रात एक बजे दोनों में किसी बात को लेकर कहासुनी के बाद हाथापाई हो गई। मौजूद लोगों ने बीच–बचाव कर मामले को शांत कराया। दोनों घर चले गए। बताया जा रहा कि इसी बात को लेकर सुबह पांच बजे विकास व उसके स्वजन राहुल के दरवाजे पर पहुंचे और उसे आवाज दी।

बाहर आते ही राड़, हाकी से हमला कर दिया। शोर सुनकर घर की महिलाओं ने घर से कुछ छूरी पर अपने आरामशीन पर गए राहुल के बड़े भाई दिनेश को सूचना दी। वह भाग कर घर आए। इस बीच पहुंचे चौकी प्रभारी रिजवान अहमद ने बीच–बचाव करने का प्रयास किया पर हमलावर नहीं माने।

इधर दिनेश के पहुंचते ही हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया। हमलावरों से घिरे दिनेश ने लाइसेंसी रिवाल्वर से दो राउंड हवाई फायरिंग की, इसके बाद भी हमलावर नहीं हटे। इसके बाद दिनेश ने विकास को दौड़ा कर गोली मार दी। पेट में गोली लगते ही वह गिर पड़ा।

बाजार में अफरातफरी मच गई। चौकी प्रभारी भी भाग चले। प्रभारी कोवाली के प्रभारी निरीक्षक हर्षवर्धन सिंह पुलिस टीम संग मौके पर पहुंचे। उच्चाधिकारियों को अवगत कराया। कुछ ही देर में जटहाबाजार, कुबेर स्थान, खड्डा सहित कई थानों की पुलिस आ गई।

एसपी संतोष कुमार मिश्र ने बताया कि घटना के पीछे आपसी रंजिश की बात सामने आई है। आरोपित दिनेश, उसके छोटे भाई राहुल, पुत्र आदित्य को हिरासत में लिया गया है। मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

कागजों में मृत घोषित कर रोक दी पेंशन, डीएम से महिला ने लगाई गुहार

संवाददाता—महराजगंज। मिठौरा ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम सभा रेहाव की एक बुजुर्ग महिला को कागजों में मृत बताकर उसकी वृद्धावस्था पेंशन रोक दी गई है। मंगलवार को यह 70 वर्षीया बुजुर्ग महिला मुन्नी पत्नी राम नारायण अपने पौत्र प्रदीप साहनी के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंची। पत्रक सौंपकर खुद को जीवित बताते हुए कार्रवाई की गुहार लगाई। आरोप लगाया कि गांव के जिम्मेदारों की मिलीभगत से उसे कागजों में मृत घोषित कर वृद्धा पेंशन रोक दिया गया है, जबकि वह पूरी तरह स्वस्थ है। बुजुर्ग महिला मुन्नी ने जिलाधिकारी को दिए गए पत्र में उल्लेख किया है कि वह वर्षों से वृद्धा पेंशन की पात्र लाभार्थी रही है।

मई माह में जब वह वृद्धा पेंशन के संबंध में जानकारी लेने पहुंची तो उसे बताया गया कि 12 मार्च के बाद से उसकी पेंशन बंद कर दी गई है। पूछताछ में सामने आया कि रिकॉर्ड में उसे मृत घोषित कर दिया गया है। महिला ने बताया कि जब उसने बैंक में जाकर स्थिति की जानकारी ली तो पता चला कि उसका खाता अभी भी चालू है। उसने बीते 14 अगस्त को स्वयं बैंक से पैसे की निकासी भी की है। कहा कि यह भी उसके जीवित होने का एक ज्वलंत सबूत है। कहा कि किसी साजिश के तहत उसे कागजों में मृत दिखाया गया है। उन्होंने जिलाधिकारी से गुहार लगाई कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही उसकी वृद्धा पेंशन को तत्काल प्रभाव से पुनः शुरू कराया जाए, जिससे उसे आर्थिक संकट का सामना न करना पड़े। महिला के अनुसार डीएम ने मामले में कार्रवाई करने का भरोसा दिया है।

मेडिकल कॉलेज में वायरल फीवर के मरीजों की भीड़

संवाददाता—देवरिया। बदलते मौसम के कारण वायरल फीवर के मरीजों की संख्या में तेज वृद्धि देखी जा रही है। महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज में मंगलवार को मरीजों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

रजिस्ट्रेशन काउंटर पर सुबह से ही लंबी कतारें लग गईं। मरीजों को पर्ची बनवाने में दो से तीन घंटे का समय लग रहा था। सोमवार को चार हजार से अधिक मरीज अस्पताल पहुंचे थे। मंगलवार को भी इसी तरह की भीड़ देखी गई। जिले में बुखार, जुकाम, गले में खराश और शरीर दर्द की शिकायतें बढ़ी हैं। ओपीडी कक्ष में मरीजों और तीमारदारों की भीड़ से अस्पताल में अफरा–तफरी का माहौल बन गया। भीड़ के कारण कई मरीजों को बैठने की जगह तक नहीं मिल पा रही थी। चिकित्सकों पर काम का दबाव बढ़ गया है। एक–एक मरीज को देखने में अधिक समय लग रहा है। मेडिकल कॉलेज के सीएमएस डॉ. एचके मिश्रा ने बताया कि मौसम में बदलाव के कारण वायरल फीवर के मामले बढ़ रहे हैं। उन्होंने लोगों को सलाह दी है कि बुखार या कमजोरी महसूस होने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।

पूजा पाल को सच बोलना भारी पड़ गया, गुंडे-माफियाओं की तारीफ से सपा खुश होती है –नंदी

संवाददाता—गोण्डा। यूपी सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने विधायक पूजा पाल को सपा से निष्कासित करने पर समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पूजा पाल को सच बोलना भारी पड़ गया। सपा गुंडे और माफियाओं की तारीफ से खुश होती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ अखिलेश यादव को नागवार गुजरी। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में गुंडे–माफियाओं का राज था। पीड़ितों को थाने में बिठाया जाता था। सपा के कार्यकर्ता पुलिस को फरमान सुनाते थे। आरोप लगाया कि सपा की सरकार में कारसेवकों पर गोली चलवाई गई थी। सपा हमेशा सनातन को अपमानित करती है। गुंडे माफियाओं का साथ देती है। सपा समाप्तवादी पार्टी बनती जा रही है। विनाश काले विपरीत बुद्धों ईश्वर उनको सद्बुद्धि दे। पूजा पाल को बीते दिनों अनुशासनहीनता के आरोप में पार्टी से निष्काशित कर दिया गया था। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कानून व्यवस्था को लेकर प्रशंसा की थी।

ग्रामीणों ने कोटेदार के घर किया प्रदर्शन

संवाददाता—महराजगंज। परतावल ब्लॉक के महम्मदा गांव में मंगलवार की सुबह लगभग 50 कार्डधारकों ने कोटेदार उदयभान के घर के बाहर जमकर प्रदर्शन किया। नारेबाजी के बीच ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कोटेदार पिछले तीन महीनों से फिंगरप्रिंट लगवाकर भी राशन का वितरण नहीं कर रहा है। माँ के पर पहुंची पुलिस ने समझा–बुझाकर मामला शांत कराया। ग्राम प्रधान वीरेंद्र चौधरी के नेतृत्व में लगभग 50 कार्डधारक कोटेदार के घर पहुंचे और राशन की मांग करने लगे। प्रदर्शन में शामिल केशव, अमरजीत, छविलाल, विद्यासागर, सुग्रीव, सुनील, सुशीला, रामदवन, सन्नी, ओमकार, परदेशी, मनीष, रामनाथ, रितेश, मीरा, गायत्री आदि ग्रामीणों ने कोटेदार पर राशन वितरण में अनियमितता का आरोप लगाया।

ग्राम प्रधान वीरेंद्र चौधरी ने बताया कि ग्रामीण पिछले दो महीनों से कोटेदार के खिलाफ शिकायत कर रहे थे, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने प्रशासन से कार्डधारकों को राशन उपलब्ध कराने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। हंगामा बढ़ता देख कोटेदार घरके अंदर चला गया, जिससे ग्रामीणों की नाराजगी बढ़ गई और प्रदर्शन तेज कर दिया गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर पुलिस बुलानी पड़ी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों को समझा–बुझाकर शांत कराया। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की जांच कराकर कोटेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और राशन वितरण प्रणाली को सुचारू करने की मांग की है।

छोटी देवकाली पर कलश यात्रा की बैठक संपन्न, 21 सितम्बर को निकलेगी कलश यात्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। केंद्रीय दुर्गा पूजा एवं रामलीला समन्वय समिति अयोध्या मंडल के शक्ति वाहिनी की बैठक छोटी देवकाली अयोध्या में शक्ति वाहिनी प्रमुख बिंदु सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी परंपरागत तरीके से कलश यात्रा 21सितम्बर को लता मंगेशकर चौराहा नया घाट के सामने संत तुलसीदास घाट से दोपहर बाद 2.30 बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी जिसमें सैकड़ो की संख्या में माताएं बहने सम्मिलित होगी। बैठक में सर्वसम्मति से नीलम श्रीवास्तव को शक्ति वाहिनी का सह प्रभारी बनाया गया। बिंदु सिंह ने बताया कि इस वर्ष 23 वीं कलश यात्रा निकाली जाएगी जिसमें भारी संख्या में माताएं बहने व भक्त भाग लेंगे और नियमों का पालन किया जायेगा। संयोजक महंत धनुषधारी शुक्ला ने बताया अयोध्या नगर के अंतर्गत पिछले वर्ष 67 स्थानों पर दुर्गा पूजा का आयोजन हुआ था। इस वर्ष भी उतनी ही समितियां लगभग अपने–अपने निश्चित स्थान पर मानकों का पालन करते हुए मनाएंगे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष प्रशासन की उदासीनता के कारण कुछ कार्यों में बाधा आ रही है लेकिन शीघ्र ही उसको पूरा कर लिया जाएगा।

इसके पूर्व रविवार को कोर कमेटी की बैठक हुई जिसमें समिति के अध्यक्ष रमापति पांडे ने बताया कि अन्य वर्षो की भांति इस वर्ष नगर निगम और प्रशासन का सहयोग अयोध्या नगर के समिति को पूर्ण रूप से नहीं मिल रहा है लेकिन केंद्रीय पूजा रामलीला समिति सभी समितियां को यह विश्वास दिलाता है कि उनके सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। प्रवक्ता भानु प्रताप सिंह ने बताया कि सभी समितियां से संपर्क किया जा रहा है और उनसे आग्रह किया जा रहा है की कलश यात्रा में 21 सितंबर को शाम 2.30 बजे मां सरयू के तट पर वरुण आवाहन के साथ प्रारंभ होगी जिसमें सभी दुर्गा पूजा समिति के लोग सम्मिलित हो और वह चिंता ना करें केंद्रीय समिति उनके सभी समस्याओं का समाधान करेगी कलश यात्रा नया घाट से श्रृंगार घाट होते हुए हनुमान जी के द्वार पर पहुंचेगी और उसके उपरांत मां छोटी देवकली का पूजन होगा प्रसाद वितरण होगा सभी बहनें अपने कलश को ले जाकर के अपने घर में स्थापित कर माता की पूजा अर्चना करेगी। बैठक में पार्वती कौशल, नीलम श्रीवास्तव प्रभावती, माया, बदामा, अंजू, नीलम मौर्य देवर्षिराम त्रिपाठी, दीपचंद्र राही सहित लगभग दो दर्जन बहाने सम्मिलित हुई।

खाद को लेकर जिले भर में हुआ प्रदर्शन, नहीं मिल रही राहत

संवाददाता—बलरामपुर।

साहब पांच दिन से लाइन मा लागि हन, टोकन भी मिला है लेकिन अब तक खाद नाहीं मिला खाद का संकट यूरिया न मिलने पर आक्रोशित किसानों ने किया चक्काजाम, बौद्ध परिपथ पर एक घंटे तक लगा रहा जाम प्रशासन के लाख दावों के बावजूद जिले में नहीं दूर हो रही उर्वरक की किल्लत, कालाबाजारी का भी लग रहा आरोप बलरामपुर, संवाददाता। साहब पांच दिन से लाइन मा लागि हन, टोकन भी मिला है लेकिन अब तक खाद नाहीं मिला। धान फसल मा अब एक भी बार यूरिया नाय डारेन है। धान कै पेड़ पीला पड़ै लाग है। फसल खराब होय जाई तो बच्चे कैसे जीहैं।

यह बातें मंगलवार को पहलवारा स्थित बौद्ध परिपथ पर चक्काजाम के दौरान एक महिला ने एसडीएम से कही। जिले में यूरिया की किल्लत कम होने का नाम नहीं ले रही। हर दिन किसान सुबह से शाम तक लाइन में लगे रहते हैं बावजूद आर्ो से अधिक किसानों को बैरंग वापस लौटना पड़ रहा है। यूरिया न मिलने से किसानों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को जिले के अलग–अलग क्षेत्रों आक्रोशित किसानों ने चक्काजाम कर प्रदर्शन किया। कई समितियों के सचिव भीड़ देख ताला बंद कर भाग खड़े हुए। मुख्यालय पर एसडीएम के हस्तक्षेप के बाद समिति का ताला खुलवाकर वितरण शुरू कराया गया। नगर के मोहल्ला पहलवारा स्थित सहकारी समिति पर यूरिया लेने को भारी संख्या में किसान पहुंच गए। किसानों की भीड़ देख समिति सचिव गेट में ताला लगाकर भाग खड़े हुए। इस पर आक्रोशित किसानों ने समिति पर प्रदर्शन करते हुए यूपीटी होटल के पास बौद्ध परिपथ पर चक्काजाम कर दिया। सुबह दस बजे बौद्ध परिपथ जाम होने से सड़क पर वाहनों की लम्बी कतार लग गई। इस बीच सरकारी दफ्तर जाने वाले कर्मियों के साथ, स्कूली बच्चों व अन्य लोगों को खासा दिक्कतें उठानी पड़ी। करीब एक घंटे तक किसानों ने बौद्ध परिपथ जाम रखा। महिलाओं के साथ–साथ वृद्ध किसान सड़क पर बैठे रहे। चक्काजाम शुरू होने के आधा घंटा बाद प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर सुधीर सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने किसानों को समझाने के साथ–साथ चक्काजाम खत्म करने का दबाव भी बनाया, लेकिन किसानों का आक्रोश इस कदर बढ़ा था कि उन्होंने प्रभारी निरीक्षक की बात को अनसुना करते हुए किसी भी कीमत पर चक्काजाम न हटाने की बात कही। करीब एक घंटे बाद सदर एसडीएम हेमंत गुप्ता मौके पर पहुंचे। उन्होंने किसानों को समझाते हुए समस्या का समाधान कराने का आश्वासन दिया। जिस पर प्रदर्शन में शामिल महिला सुखना सहित अन्य लोगों ने कहा कि साहब पांच दिन से यूरिया के लिए समिति पर लाइन लगाए हन, टोकन भी मिला है लेकिन अभी तक यूरिया नाय मिला। सोमवार का सचिव राम उजागर ने मंगलवार का यूरिया देय कहिन रहा। लेकिन आज भी यूरिया नाय मिला। समिति पा सचिव ताला लागय कै भाग गय, एही से सड़क पा बैठि गयन। एसडीएम ने किसानों को काफी देर तक समझाया और उनके साथ पहलवारा स्थित सहकारी समिति पर गए। जहां पर सचिव को बुलवाकर कड़ी फटकार लगाई। साथ ही निर्देशित किया कि लाइन में लगे लोगों को क्रमवार यूरिया उपलब्ध करायी जाए।

गला व हाथ पैर की नस काटकर युवक को पुल के नीचे फेंका

संवाददाता—कुशीनगर रामकोला थाना क्षेत्र में राजपुर गांव जाने वाली मार्ग पर मंगलवार को सुबह पुलिया के नीचे एक 35 वर्षीय युवक गंभीर हालत मेंइला, जिसका गला रेता गया था। पैर और हाथ की नस को धारदार हथियार से काटा गया था। ग्रामीणों की सूचना पर जिसकी सूचना पर रामकोला पुलिस उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गई है। समाचार लिखे जाने तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है। रामकोला थाना क्षेत्र के ग्राम सभा कुसम्हा टोला रगड़गंज पुल के समीप बैंक ऑफ बड़ौदा से एक किलोमीटर दूर राजपुर जाने वाली मार्ग पर पुलिया के नीचे एक 35 वर्षीय युवक मंगलवार को सुबह गंभीर हाल में पड़ा था।

उसका गला रेता गया था। बाएं पैर और बाये हाथ की नस को धारदार हथियार से काट दिया था। ग्रामीण करीब पहुंचे तो उसे जिंदा देख पुलिस को तत्काल सूचना दी। वह कोशिश के बाद भी बोल नहीं पा रहा था। रामकोला थानाध्यक्ष राज प्रकाश सिंह के निर्देश पर मौके पर रगड़गंज चौकी इंचार्ज बृजेंद्र कुमार सिंह पहुंचे। एम्बुलेंस से मथौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल पडरौना के लिए रेफर कर दिया।पडरौना से डॉक्टरों ने गोरखपुर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। रामकोला तनाव के कांस्टेबल धर्मेंद्र कुमार और प्रशांत यादव गोरखपुर मेडिकल कॉलेज के लिए एम्बुलेंस से इलाज कराने के लिए ले जा रहे हैं।

एक माह तक चले एसपीईएल कार्यक्रम का समापन

संवाददाता—श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक माह तक चले एसपीईएल (स्टूडेंट पुलिस एक्सपेरिएंटल लर्निंग) कार्यक्रम के द्वितीय चरण का समापन हुआ। कार्यक्रम 20 जुलाई से 19 अगस्त तक चला। इस दौरान छात्रा–छात्राओं को पुलिसिंग, कानून व्यवस्था और सामाजिक जिम्मेदारियों की जानकारी दी गई। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया के निर्देशन में कार्यक्रम का संचालन हुआ। अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम और नोडल अधिकारी एसपीईएल क्षेत्राधिकारी नगर सतीश कुमार शर्मा ने कार्यक्रम का नेतृत्व किया। विद्यार्थियों को सैद्धांतिक जानकारी के साथ थाने का भ्रमण भी करवाया गया। छात्रों को महिला हेल्पलाइन, आपातकालीन सेवाएं, घटनास्थल निरीक्षण, बीट पेट्रोलिंग और महिला सुरक्षा के बारे में बताया गया। साथ ही मादक पदार्थों की लत, मानव तस्करी और महिला अपराधों की रोकथाम की जानकारी दी गई। यातायात नियंत्रण और कम्युनिटी पुलिसिंग पर भी चर्चा की गई। विद्यार्थियों को पुलिस अधीक्षक कार्यालय की विभिन्न इकाइयों का भ्रमण करवाया गया। इनमें थाना, एप्वाटी, साइबर सेल और विशेष जांच प्रकोष्ठ शामिल थे। प्रभारी एसपीईएल प्रोग्राम अमित कुमार सिंह और डीसी जितेंद्र पाल भी मौजूद रहे। इस दौरान कार्यक्रम के समापन पर अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी नगर ने छात्रों की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

दिव्यांग व्यक्ति के नाम पर फर्जी फर्म बनाकर जीएसटी घोटाला

संवाददाता—महराजगंज। बृजमनगंज थाना क्षेत्र में एक दिव्यांग व्यक्ति के साथ बड़ी धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। करमहा टोला बड़की मैनहिया के रहने वाले बबलू को 86 लाख रुपये का जीएसटी नोटिस मिला। दोनों आंखों से कमजोर बबलू ने साइबर क्राइम थाना महराजगंज में शिकायत दर्ज कराई है। मामले में सिद्धार्थनगर के उसका थाना क्षेत्र के रजनीश उर्फ राजन को मुख्य आरोपी बनाया गया है। रजनीश अग्रहरी ट्रेडर्स, ढोढघाट में मुनीम का काम करता था। 10 मई 2015 को उसने बबलू को पेंशन दिलाने का झांसा देकर उनका आधार कार्ड, विकलांग प्रमाण पत्र और फोटो ले लिया। वर्षों बाद 29 जून 2025 को अमीन ने बबलू के घर नोटिस दिया। नोटिस में अग्रहरी ट्रेडर्स के मालिक के रूप में बबलू का नाम था। 2016–17 का जीएसटी टैक्स बकाया बताया गया था। पीड़ित ने बताया कि उनकी कोई फर्म नहीं है। आरोपी ने उनके दस्तावेजों का दुरुपयोग कर फर्जी फर्म बनाई और ऑनलाइन जीएसटी नंबर ले लिया। मंगलवार को पीड़ित ने एसपी को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। साइबर थाना प्रभारी सजनू यादव के अनुसार 15 अगस्त 2025 को शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। आईटी विशेषज्ञ राकेश ने बताया कि यह मामला आधार कार्ड और अन्य पहचान पत्रों के दुरुपयोग का गंभीर उदाहरण है, जो साइबर अपराधों की बढ़ती चुनौती को दर्शाता है। यह घटना समाज में कमजोर वर्गों के शोषण और डिजिटल धोखाधड़ी के खतरों को उजागर करती है।

मंदिर की जमीन को लेकर गहराया विवादः राज्य मंत्री पर आरोप लगाते हुए सड़क पर उतरे महंत

संवाददाता—देवरिया। देवरिया खास स्थित श्री मनोकामना पूर्ण हनुमान मंदिर की जमीन को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। मंदिर के उत्तराधिकारी महंत राजेश नारायण दास मंगलवार की सुबह मंदिर चौराहे पर धरने पर बैठ गए।

उन्होंने सीधा आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार की राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम मंदिर की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रही हैं और प्रशासन उनकी मददगार की भूमिका निभा रहा है। धरने की जानकारी मिलते ही मंदिर परिसर और आसपास अफरा–तफरी मच गई।

बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और माहौल तनावपूर्ण हो गया। सूचना पर एसडीएम श्रुति शर्मा, सीओ सिटी संजय कुमार रेड्डी, कोतवाल डीके सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद महंत को समझा–बुझाकर रास्ते से हटवाया। श्रुति शर्मा ने शाम पांच बजे मंदिर की भूमि की नापी कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद महंत राजेश नारायण दास मानने को तैयार हुए। देर शाम तक नापी का कार्य चल रहा था। धरना स्थल पर महंत राजेश नारायण दास ने आरोप लगाया कि मंत्री अपने पद का दुरुपयोग कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मंदिर की भूमि पर कुछ दिन पूर्व जबरन दीवार खड़ी कर दी गई। यह सब मंत्री जी ने अपनी दबंगई और प्रशासन की मिलीभगत से कराया।

मैंने बार–बार प्रशासन से गुहार लगाई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। महंत का कहना है कि हालात इतने बिगड़ गए कि 18 अगस्त (सोमवार) को मंदिर की तरफ बड़ा गेट तक जबरन खड़ा कर दिया गया। जब उन्होंने प्रशासन से मदद मांगी तो अधिकारी मौन बने रहे।

महंत ने कहा कि मंदिर जनता की आस्था का केंद्र है और उस पर कब्जे की साजिश को किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने दिया जाएगा। उनका कहना था कि जब सारी अपीलें बेकार चली गईं और प्रशासन भी लाचार दिखा, तब धरने पर बैठने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि मंदिर की भूमि पर कब्जा करने का प्रयास जारी रहा तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। धरना शुरू होते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और श्रद्धालु मौके पर पहुंच गए। लोगों ने मंत्री के खिलाफ नारेबाजी की और कहा कि मंदिर की जमीन धार्मिक आस्था से जुड़ी है, जिस पर किसी तरह का अतिक्रमण स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

संवाददाता—श्रावस्ती। भिनगा कोतवाली क्षेत्र के भगहा बाजार में मंगलवार को एक विवाहिता का शव उसके घर में मिला है। मृतका की पहचान अर्चना उर्फ सुमन (34) के रूप में हुई है। वह बहराइच कस्बा निवासी विशाल वाल्मीकि की बहन थी। अर्चना की शादी करीब 10 वर्ष पहले श्रावस्ती जिले के भंगहा बाजार निवासी दुर्वेंद्र वाल्मीकि उर्फ चूज्जू के साथ हुई थी। उनका एक 10 वर्षीय बेटा विराट है। मृतका का पति गाड़ी बुकिंग का काम करता है जिससे परिवार का पालन पोषण होता है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।वहीं फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं। मृतका के भाई विशाल का आरोप है कि उनकी बहन को मारा गया है। उन्होंने बताया कि बहन के गले पर रस्सी के निशान मिले हैं। विशाल ने बताया कि रक्षाबंधन पर बहन घर आई थी, फिर वापस ससुराल लौट गई थी। उसके चार दिन बाद उसने भाई को फोन कर ऑटो रिक्शा खरीदने में मदद मांगी थी। दो दिन पहले उसने मां से भी बात की थी और बताया था कि उसकी तबीयत ठीक नहीं है, दवा लेने जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस जांच और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

राहुल गांधी का पूरा परिवार चोर है –विनय कटियार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या के रामकोट मोहल्ले में स्थित गोविंद आश्रम में आयोजित एक कार्यक्रम में सम्मिलित हुए भारतीय जनता पार्टी के फायर ब्रांड नेता विनय कटियार, आश्रम के पीठाधीश्वर महंत वीरेंद्र दास महाराज ने किया स्वागत।

कार्यक्रम में अयोध्या के दर्जनों संत सम्मिलित हुए जिसमें प्रेस से बात करते हुए विनय कटिहार ने कहा की राहुल गांधी का पूरा परिवार चोर है, बिहार में एलओपी वोट अधिकार यात्रा निकाल रहे हैं इसी से संबंधित एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का पूरा परिवार चोर है, इंदिरा गांधी तब ठीक था यह पता नहीं कहां से विदेशी औलाद आ गया। उन्होंने कहा कि चोर के अंदर चोर घुस रहा है उसमें यह काम कर रहे हैं और यह उनकी संस्कृति है, इंदिरा गांधी से ऊपर के लोग ठीक थे।

महंत वीरेंद्र दास महाराज ने कहा कि आश्रम में संतों का एक कार्यक्रम रखा गया था जिसमें हमारे दर्जनों शिष्य भी सम्मिलित हुए हैं और अयोध्या के दर्जनों संत भी सम्मिलित हुए हैं सभी का मैंने स्वागत किया यह वंदन की धरती है त्याग और तपस्या की धरती है यहां से जो संदेश जाता है वह पूरे विश्व में जाता है।

बीयर पीने के दौरान दोस्त ने मारी गोली, मौत

संवाददाता—संतकबीरनगर। दोस्तों के साथ घूमने निकले युवक का दोस्तों से झगड़ा हो गया। इसके बाद चलती थार में एक दोस्त ने उसे गोली मार दी। बाद में उसे अस्पताल गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों दोस्तों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। वहीं, बेटे की मौत की खबर सुनकर परिजन अस्पताल पहुंचे। वहां हंगामा करने लगे। वारदात के 24 घंटे के अंदर पुलिस ने मामले का खुलासा कर दिया। वारदात के पीछे पैसों के लेने का मामला सामने आया है। आरोपी और उसके साथियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। घटना सोमवार रात 9 बजे खलीलाबाद क्षेत्र के भुवरिया के पास की है। पटखौली गांव का रहने वाला आयुष सोमवार शाम घर से दोस्त शिवम पासवान, सिद्धार्थ सिंह और आदर्श शुक्ला से मिलने निकला था। एचआरपीजी कॉलेज के पास तीनों की मुलाकात हुई। वहां सभी ने साथ में चाय पी। इसके बाद आयुष की थार गाड़ी से निकल पड़े। शहर से करीब 3 किमी दूर हाईवे किनारे गाड़ी खड़ी कर सभी बीयर पीने लगे। इसी दौरान उधार दिए गए पैसों को लेकर आदर्श का आयुष से विवाद हो गया। तभी आदर्श ने अचानक पिस्टल से आयुष के सीने में गोली मार दी। इस दौरान उसके दो दोस्त गाड़ी में ही बैठे रहे। जब आयुष लहूलुहान होकर नीचे गिर पड़ा, तो दोस्तों ने उसके घर फोन करके उसे गोली लगने की सूचना दी। उसे इलाज के लिए लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। डॉक्टर ने जांच के बाद आयुष को मृत घोषित कर दिया। इस दौरान अस्पताल परिसर में भारी भीड़ जमा हो गई। देखते ही देखते अस्पताल पुलिस छावनी में बदल गया।

आयुष के चाचा रवि प्रकाश सिंह ने बताया— रात करीब 9 बजे हम लोगों को फोन पर सूचना मिली कि आयुष को गोली लगी है। हम लोगों के जिला अस्पताल पहुंचने से पहले ही आयुष की मौत हो चुकी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उसके साथ मौजूद 5 लोग राज ग्लोबल स्कूल के पास थे, वहीं गोली चलाई गई। उसके साथियों ने ही पैसों के लेनदेन में आयुष की हत्या की है। हम लोगों ने पुलिस में शिवम पासवान, आदर्श शुक्ला, सिद्धार्थ सिंह और एक अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। आयुष दो भाइयों में बड़ा था। डेढ़ महीने पहले ही आयुष ने ब्लैक कलर की नई थार गाड़ी खरीदी थी।

एसपी संदीप कुमार मीना ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया कि गाड़ी में बैठे चारों दोस्त शराब पी रहे थे। इसी दौरान उनमें से एक ने पिस्टल निकाली और उसकी टेस्टिंग करने लगा। अचानक चली गोली आयुष को लग गई। घबराकर दोस्तों ने पिस्टल कहीं फेंक दी। मैं और एएसपी सुशील कुमार सिंह ने अस्पताल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पूछताछ के लिए तीन दोस्तों को हिरासत में लिया। सख्ती से पूछताछ के बाद आदर्श ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आयुष के भाई ऋषि सिंह ने बताया कि कुछ दिन पहले भुवरिया चौराहे स्थित सूरज सिंह ढाबे पर मारपीट हुई थी, जहां मेरे भाई को भी पीटा गया था। इस विवाद में शिवम पासवान शामिल था। 18 अगस्त को मेरा भाई दोस्तों संग डिग्री कॉलेज से चाय पीकर निकला और राज ग्लोबल स्कूल के पास पहुंचा। भाई की थार में उस समय शिवम पासवान, आदर्श शुक्ला और सिद्धार्थ सिंह बैठे थे। मेरे भाई से सिद्धार्थ ने करीब 12 लाख रुपए लिए थे, जिसमें से 70 हजार वापस करने की बात हुई थी। इसके बाद सोमवार उसकी हत्या कर दी गई।

एम्स इलाके के तुर्रा नाले में मिला लापता युवक का शव

संवाददाता—गोरखपुर। एम्स थानाक्षेत्र क्षेत्र के बहरामपुर में तुर्रा नाले के किनारे मंगलवार को एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। युवक सोमवार की सुबह मजदूरी करने निकला था। एम्स थानाक्षेत्र के कुसम्ही कोठी निवासी दिनेश राजभर (28) पुत्र राम कठिन सोमवार की सुबह घर से मजदूरी करने निकला था। देर रात तक वह घर नहीं लौटा तो परिवार के लोग चिंतित हो कर तलाश करने लगे। उसका कही पता नहीं चला । मंगलवार की सुबह एक राहगीर ने तुर्रा नाले में शव देख इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शिनाख्त की कोशिश की तो उसकी पहचान दिनेश राजभर के रूप में हुई। वह दो बच्चों का पिता था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार पीएम के बाद मौत के कारण का पता चलेगा।

अदालती नोटिस

विपक्षी व्यक्ति के नाम नोटिस
(धारा—63 अनुसूची—5 प्रपत्र सं0—1)
न्यायालय— प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय संतकबीरनगर
नं0 मु0 134 / 11 / 2025
थाना— को0 खलीलाबाद
जिला—संतकबीरनगर

प्रियंका उपाध्याय
बनाम
सुनील उपाध्याय

तारीख पेशी 20—08—2025

विपक्षी— सुनील उपाध्याय पुत्र बलवन्त उपाध्याय साकिन फेटवा पो0 गौसपुर थाना कलवारी जिला—बस्ती

विपक्षी के नाम

चूंकि आपकी उपस्थिति 125 सी. आर.पी.सी. के अपराध का उत्तर देने के लिए आवश्यक है अतएव आपको एतत द्वारा आदेश दिया जाता है कि स्वयं/अधिवक्ता द्वारा उपयुक्त न्यायालय के समक्ष सन् 2025 ई0 के 08 मास के 20 दिवस को उपस्थित हो। ऐसा करने में त्रुटि न हो।

सन् 20 ई0 मास के दिवस को हस्ताक्षरित हो।

हस्ताक्षर
प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान ग्राम न्यायालय महोदय रूधौली जिला—बस्ती
वाद सं0—27 / 2022

रामदास
बनाम
हरिश्चन्द्र आदि

1. हरिश्चन्द्र उम्र लगभग 62 वर्ष पुत्र गंगाराम 2. कन्हई उम्र लगभग 65 वर्ष पुत्र सुखावन निवासीगण भीटाकला तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला—बस्ती

तारीख पेशी 01—09—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 01 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

एक रात में चोरों ने नकदी समेत 20 लाख के जेवर उड़ाए

संवाददाता—संतकबीरनगर। धनघटा थाना क्षेत्र के ग्राम औटना भैसही में सोमवार की रात चोरों ने दो घरों को निशाना बनाते हुए नगदी समेत बीस लाख रुपये मूल्य के जेवर उड़ा दिए। चोरों ने घर मे लगे जंगले को तोड़कर घटना को अंजाम दिया। चोरी की घटना से आसपास गांवों में दहशत का माहौल छा गया। सूचना पर पहुंचे सीओ, प्रभारी निरीक्षक व चौकी इंचार्ज ने जांच पड़ताल शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार ग्राम औटना में बीती रात राम समुझ पुत्र स्व पूर्णमासी का परिवार घर के बरामदे में सो रहा था। इस बीच चोरों ने मौका देख घर मे लगे जंगले को तोड़कर अंदर कमरे में दाखिल हो गए। चोरों ने पूरे घर को खंगाला। घर मे अलमारी, संदूक में रखे सोने चांदी के आभूषण व कपड़े उठा ले गए। चोरो ने गांव निवासी टीकोरी पुत्र स्व भूलई के घर को निशाना बनाया।

घर का जंगला तोड़ अंदर घुसे चोरो ने अलमारी व सन्दूख में रखा सोने चांदी के आभूषणों के साथ नगदी पर हाथ साफ कर दिया। दोनों घरों में बीस लाख रुपये मूल्य के जेवरों की चोरी हुई। मंगलवार की सुबह सोकर उठे दोनों परिवारों के लोगो ने घरों में बिखरे सामान को देख पैरों नीचे जमीन खिसक गई। चोरी की खबर क्षेत्र में जंगल मे आग की तरह फैल गयी। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0—742 / 2024

अनीता आदि
बनाम
मानिकराम आदि

1. मानिकराम आयु 50 वर्ष पुत्र बंशराज निवासी ग्राम दर्रूपुर तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती
2. चन्द्रिका प्रसाद आयु 52 वर्ष पुत्र बंशराज निवासी ग्राम दर्रूपुर तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती

तारीख पेशी 17—09—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 17 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

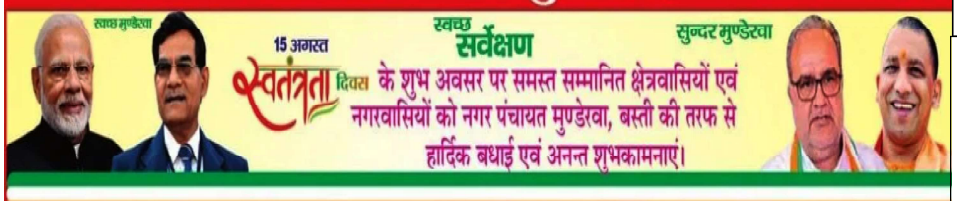

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
(आर्डर 5 कायदा 3)
न्यायालय—श्रीमान जनपद न्यायाधीश महोदय बस्ती जिला—बस्ती
सिविल निगरानी सं0 26 / 2025

रवि कुमार आदि
बनाम
आशीष आनन्द आदि

1. आशीष आनन्द उम्र 42 साल 2. मनीष आनन्द उम्र 40 साल 3. सुनील आनन्द उम्र 32 साल पुत्रगण जितेन्द्र आनन्द 4. श्रीमती निर्मल आनन्द उम्र लगभग 60 साल विधवा जितेन्द्र आनन्द साकिनान मौजा प्रहलाद कालोनी सिविल लाइन बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला—बस्ती

तारीख पेशी 28—08—2025

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 08 के 28 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com